

18/23

पत्रावली जैसा हुई। यानी अनुपस्थिति न्यायपालना
 मन्त्र से रोक-रोक कर तीन परतका शाखा
 पुनर्जादी गई लेकिन कोई उप नही हुआ
 अतः यानी एक रूपन होना ही से रोकना
 किम पत्रावली न्यायपालना सुमन्य
 वास अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत है

उपखण्ड अधिकारी
 झालावाड़